Hindi Worksheet शब्द की योदाहरण पित्रमिष्त किलिएन Q. हर्वाम के समुह को शब्द कहने हैं। पद से आप क्या समस्पत हैं ? Q · शब्द की वाद्य में प्रथमि किया जाना है नी कह्माना है।

หลุ/ นิ่टा หลุ shis Question Sub-question No.	+ + =
QQ.	शब्द आर पद के दी दी उदाहरण दिजिह ?
>	शब्द = राम , फूल पाल
·->	पद - राम खोल रहा है
	वर्ग फल खरीद रही है।
Q ·	मुलाब और सुमाद्य को पत में परिवेतन
	Books !
<u> }</u> .	मुलाब बहुन अच्छा है। समंध वाला है।
Q. > >	शक्द को उदाहरण देकर स्पष्ट किलिए।
->	अभि = हविन के समुद को शब्द कहने हैं।
Ø .	पद किश्ने करने हैं ?
<i>─</i> >	जब शब्द वास्य में प्रयोग हो ,तो उसे
	पद कहते हैं।
1.	
Class time	

	STATISTICS INTO BILLIAN
	36
((2	ने मिखाँउपरा
1	(11/1/109)
Pe	Jestion Wough Desition

Naimisharanya School

Affiliated to C.B.S.E., Delhi Vide Code No. 430106. Sidsar Road, Bhavnagar.

Examination: U.T / H.E /A.E. Invigilator's Signature Hindi यं के नवाचक 11 - अंदेरवाचक 13 विस्मयदिवादक

9. इंट्यीवीचिक 10. भंकत्वायक 12. विद्यानवायक

1. भाषा की मुख्य दकार्ड बाक्य होता है। (०. व्यक्ति

-> अयुभा आम त्या प्रिम उता है

3. दी अधि।२ पर वाक्य के सीद किंड जाते हैं - 10. किंतने अधि।२ -) केनी -)किया

4. 8 भेद हैं (0. अर्थ के आदार पर किनने भेद हैं)

-) विद्वाल -) उन्हाला -> निषद -> प्रत -> विश्वस्थादे -) संदेर -) संबंग -) इंट्या

यदि वाचक शक तवा चक प्रश्नव चक

विश्मयाधिब हक

Hylalda

यं के नवाचक

वैद्यालवा चक

Q6.2 में 13 म्हार साथ नहीं आईँगा। (निषद्यायक) 3. देश तम मेरे साथ अपेड आअपिन (पर्नविचिक) व पुर्स मेर साब अमा है। [आजावाचक] B. शायद वर्ग हमारे साथ अख्या | (संदेखाचक) 6. बार्ट विश्वा स्थान बनाया र [बिश्वायादिबायक] २. कार्य वर्ग हमारे सार्थ आमा (देन्छीवायक रामाय पर कार्ट रामाय पर होकर योजना मनमा है ? कि राम के फरिल र्यो 2. वया। निवा सबसे बुद्धिसारी है। 3- इन्ही बैलों को क्यी नहीं भारता था। व. वया हमाश मॉहला गरित 4. हीरा-मानी को मोटी रक्की से बाँधा है। 6. शायद लेखक अर्थ उसके साखी मेंदान में हैं। ६. वाह। यह भूग क्रिक्ना अन्छा डू। २. कहा सभी और उत्पत्न बहुने पर जीवही

Q8-1. विदानवीयक 42 old luch 2 4/01/21-1194 6 अशिमावीचक 3 येवेहवाचक न उदेगारिवाचक इ यकित्वी चक ई च्यु विचिक Questions -पानः होते हो पद्धी अञ्चल अञ्चल लग हमें पानी की उनके भी बद नहीं बिचाद नी चाहिछ 2. 4. सम्मितः द्वया साल पुलंबन (माष्ट्रमा)
तम दिन - प्रतिदिन साफ्तना, की सिडी चढने रही आज के नेताओं की बात करने भानेगा 5. इस सर्हें में सर्व लिए स्वरूप भन दो अरे। देश बट्चे कितना अंट्या व्यप्तबनाथां, दे याद शिलांने ट्रेट ग्रेष्ट मा बरवा न

ा शायद वह किए न उनाए। निषद्वायक . क्रयथा भूने उसारकर अंवर अगाउँ । विद्यानवाचक देशभवन देश की अन-मान -शान के लिए प्रवाह नहीं करने। निर्मेदवायक . द्विवर न्डेस्ट सदेव खुषा २०० (उट्हाबायक हर - भर्र वृद्धी को बबाले को कीय मी उपाय सी यो। आज्ञावाचक शायत द्वा साल अच्छी वर्षा होगी। संतर्वाचक वाह ! किम्मी अन्ता बहाना है । विश्व यादिबाधक हिं! केसी कार्य किया है तुमले। विश्मयाधिकापक a यदि प्रदेशण प्रबहुना स्था में जीना सुराज हा जाड्या। -> संकानवायक

- 1. अग्र खाला जगह वर वृद्ध लगा ह मेर प्रदेशन कम
- 2. में में ठा देवी जाता है।
- -> भेटी रह्या दू भी में प्राप्त द्वा भाउ 1
- 3. यथा में पिक में असने जा सकता है।
- -> में वार्क में ऋमने जा रही है।
- 4. म्या सुमा में अना अना दिना हैं
- -> सुमन ने आना बना लिया है।
- S. ये प्रकि अन्यत सनिष्य हैं।
- -) अरे। यह पाल में बहुते अख्या है।